सांध्य दैनिक
# 4PM

अपने लक्ष्य को लेकर महत्वाकांक्षी होने से डरो मत। कड़ी मेहनत कभी रुकती नहीं ना ही तुम्हारे सपने रुकने चाहिए।
-ड्वेन जॉनसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 201 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 28 अगस्त, 2024

दलित और ओबीसी विरोधी है यूपीएस... 2 | प्रत्याशी तय! अब चुनावी जंग... 3 | डाक्टरों की कमी पर आप के... 7

# नेताओं ने बंगाल को बना दिया सियासी अखाड़ा!

## ममता सरकार के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन

## प्रशिक्षु डॉक्टर रेप मामले में पूरे राज्य में बवाल

» भाजपा राज्य की कानून व्यवस्था को बाधित करना चाहती है : टीएमसी
» 12 घंटे के बंद से जनजीवन प्रभावित, कई जगह झड़पें
» रूपा गांगुली व लाकेट चटर्जी हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर से कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या की सीबीआई जांच के बीच राजनीति तेज हो गई है। क्या सत्ता पक्ष क्या विपक्ष दोनों ने राज्य को राजनीतिक अखाड़ा बना दिया है। राज्य सचिवालय 'नबन्ना' तक प्रदर्शनकारियों के पहुंचने के प्रयासों के दौरान कई स्थानों पर पुलिस के साथ झड़पें हुईं। टीएमसी व भाजपा में वार-पलटवार भी शुरू हो गया है।

भाजपा नेता के गाड़ी पर जहां हुआ है वहीं सीएम ममता बनर्जी ने भावुक होकर दिवंगत प्रशिक्षु डॉक्टर से माफी मांगी है। उधर भाटपारा में आज सुबह हुई झड़पों के बाद सिर में गोली लगने से घायल दो लोगों को कोलकाता के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर उनकी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और उन्हें आईसीयू में कड़ी निगरानी में रखा गया है। भाजपा नेता रूपा गांगुली व सांसद लाकेट चटर्जी को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।



### तृणमूल छात्र परिषद स्थापना दिवस पीड़िता को समर्पित : सीएम ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में पीड़िता के परिवार के प्रति दुख व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि वह तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस को



पीड़िता को समर्पित कर रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने कहा, आज तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस के मौके पर, मैं इसे अपनी बहन, जिनकी कुछ दिन पहले ही आरजी कर मेडिकल अस्पताल में हत्या कर दी गई, को समर्पित करती हूं। अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए मैं इस घटना पर तत्काल निवारण की मांग करती हूं।

### राजनीति से प्रेरित भाजपा यहां गोलमाल कर रही : कुणाल

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि हम सभी से अनुरोध करते हैं कि हालात सामान्य रहें। कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। हम सभी आरजी कर मामले में न्याय चाहते हैं और सीबीआई



न्याय करेगी। पश्चिम बंगाल में अराजकता पैदा करने से क्या फायदा है? राजनीति से प्रेरित भाजपा यहां गोलमाल कर रही है। मामला अब सीबीआई के हाथ में है। एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अब सीबीआई मामले की जांच कर रही है। कल उन्होंने पुलिस पर हमला किया और आज उन्होंने बंद बुलाया है। बंगाल में सब कुछ सामान्य है। पश्चिम बंगाल के लोगों ने भाजपा के बंद को खारिज कर दिया है।

### राज्यभर में 200 से अधिक लोग गिरफ्तार

कोलकाता और हावड़ा की सड़कों पर बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। राज्यभर में 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके विरोध में भाजपा की बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने 12 घंटे केबंगाल बंद का आह्वान किया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगनम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य ने भाजपा द्वारा बुलाए गए बंद को अवैध घोषित करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है।

## शुद्ध सांप्रदायिक जहर उगल रहे सीएम हिमंत : कपिल सिब्बल

» असम के सीएम पर भड़के मुसलमानों को लेकर दिए बयान पर जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर जमकर निशाना साधा है। सिब्बल ने हिमंत की मुसलमानों पर की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताई है। दरअसल, हिमंता ने कहा था कि मिया मुसलमानों को राज्य पर कब्जा नहीं करने देंगे। अब सिब्बल ने हिमंत की इस टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि ये शुद्ध सांप्रदायिक जहर है और इस तरह के बयान का जवाब चुप रहकर नहीं दिया जा सकता है।



दरअसल, हिमंत सरमा ने कहा कि वह मिया मुसलमानों को असम पर कब्जा नहीं करने देंगे। सरमा विस में 14 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के मद्देनजर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करने के लिए विपक्षी दलों द्वारा पेश किए गए स्थगन प्रस्तावों की स्वीकार्यता पर बोल रहे थे। बता दें कि मिया शब्द का इस्तेमाल शुरू में बंगाली बोलने वाले मुसलमानों के लिए एक अपमानजनक शब्द के रूप में किया जाता था और गैर-बंगाली भाषी लोग आमतौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी के रूप में पहचानते हैं।

## नाम बदलने से फुरसत मिल जाए तो हालात भी बदलें : अखिलेश

» सपा अध्यक्ष बोले- रेल दुर्घटना की रोकथाम के लिए भी कुछ समय निकालें सीएम
» यूपी में 8 स्टेशनों के नाम बदलने पर गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आठ रेलवे स्टेशनों के नाम बदल दिए गए हैं। इसको लेकर सियासत गरमा गई है।

### इन स्टेशन के बदले गए हैं नाम

आदेश के मुताबिक, कासिमपुर हॉल्ट रेलवे स्टेशन का नाम जायस सिटी रेलवे स्टेशन, जायस रेलवे स्टेशन का नाम गुरु गोरखनाथ धाम, मिसरौली रेलवे स्टेशन का नाम मां कालिकन धाम, बनी रेलवे स्टेशन का नाम स्वामी परमहंस, अकबरगंज रेलवे स्टेशन का नाम मां अहोरवा भवानी धाम, फुरसतगंज रेलवे स्टेशन का नाम तपेश्वर धाम, वारिसगंज हाल्ट स्टेशन का नाम अमर शहीद भाले सुल्तान के नाम पर रखा गया है। इसके अलावा निहालगढ़ स्टेशन का नाम बदलकर महाराजा बिजली पासी रेलवे स्टेशन किया गया है।

सपा ने भाजपा सरकार को इस मुद्दे पर घेर लिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सवाल उठाए हैं।



अखिलेश ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, भाजपा सरकार से आग्रह है कि रेलवे स्टेशनों के सिर्फ नाम नहीं, हालात भी बदलें और जब नाम बदलने से फुरसत मिल जाएं तो रिकॉर्ड कायम करते रेल दुर्घटना की रोकथाम के लिए भी कुछ समय निकालकर विचार करें।

### भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने की थी मांग

ज्ञात हो कि अमेठी की पूर्व सांसद और भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने इन जगहों की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को संरक्षित करने की मांग की थी। इसके बाद इन स्टेशनों का नाम बदला गया है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जायस स्टेशन के पास गुरु गोरखनाथ धाम आश्रम है, इसलिए स्टेशन का नाम आश्रम के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा गया था।

# दलित और ओबीसी विरोधी है यूपीएस योजना : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आप सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के लिए पेश की गई यूनीफाई पेंशन स्कीम (यूपीएस) को दलित, ओबीसी और पिछड़ा विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि इन वर्गों के अभ्यर्थियों को उम्र में छूट दी जाती है ऐसे में ये लोग इस योजना का लाभ नहीं ले पाएंगे।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा है कि देश के लाखों कर्मचारी ओपीएस की मांग कर रहे थे। उनकी मांग नहीं सुनी गई। रामलीला मैदान, लखनऊ के साथ जिलों में प्रदर्शन किया। अब जब 4 राज्यों के चुनाव आने वाला है तो केंद्र सरकार यूपीएस लेकर आई है। संजय सिंह ने कहा कि सरकार इससे भारी संख्या में आदिवासी, दलितों और पिछड़ों को पेंशन से वंचित करेगी। उन्होंने कहा कि लाखों काम करने वाले अर्ध सैनिक बल, देश की रक्षा वाले इस योजना से वंचित रह जायेंगे। यह योजना कर्मचारी का पैसा लेकर उनको पेंशन देने की योजना है। इस प्रेसवार्ता में संजय सिंह ने कुछ मुद्दे बिंदुवार उठाए। यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर आप नेता संजय सिंह ने कहा, यूपीएस एनपीएस से भी बदतर है। इसके तहत हर महीने कर्मचारी के वेतन का 10प्रतिशत काटा जाएगा और फिर पिछले 12 महीनों में से छह महीने का वेतन काटा जाएगा। कर्मचारी को उसकी सेवा का वेतन दिया जाएगा। पेंशन सेवा का लाभ लेने के लिए 25 साल की सेवा का नियम बनाया गया है। अर्धसैनिक बलों में ज्यादातर लोग 20 साल के बाद रिटायर होते हैं पेंशन के रूप में केवल 10,000 रुपये मिलेंगे। अगर आप कह रहे हैं कि यूपीएस ओपीएस के समान है तो ओपीएस वापस लाएं, यूपीएस एक धोखाधड़ी है।

### » आप सांसद बोले- बीजेपी ने एक और धोखाधड़ी की

### होश में आई मोदी सरकार

यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, यह साबित हो गया है कि सभी पक्ष और विपक्ष जो कह रहे थे वह सही था, केंद्र सरकार खुद ही केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों का दमन कर रही थी। जिस तरह से केंद्र सरकार के कर्मचारियों ने बीजेपी के खिलाफ वोट किया, उससे बीजेपी को कुछ हद तक होश आया है और मुझे लगता है कि वे (भाजपा) अपने अन्य फैसले भी जल्द ही वापस ले लेंगे।

# अपनी ताकत पहचानें दलित नहीं तो धोखा खाते रहेंगे : मायावती

### » बोलीं- एनडीए की सरकार का रवैया सुधारवादी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मंगलवार को हुई बैठक में मायावती को फिर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। इस अवसर पर बसपा सुप्रीमो ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में देश भर से आए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दलितों एवं बहुजनों को अपनी शक्ति पर भरोसा करना सीखना ही होगा वरना धोखा खाते रहेंगे और लाचारी व गुलामी का जीवन जीने को मजबूर बने रहना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में बहुमत से दूर भाजपा के नेतृत्व में बनी एनडीए की सरकार का रवैया सुधारवादी नहीं लगता है जिससे इसको स्थाई व मजबूत सरकार नहीं कहा जा सकता है। वहीं यूपी के राजनीतिक हालात का संज्ञान लेते हुए कहा कि लोकसभा का चुनाव परिणाम कई कारणों से नई संभावनाएं पैदा करता है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा व इनके गठबंधन दलितों, आदिवासियों, ओबीसी, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के सच्चे हितैषी नहीं हैं।

### अम्बेडकर के मूवमेंट को खत्म करने के षड्यंत्र रच रही बीजेपी

उन्होंने बसपा समर्थकों से अपील की है कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर के मूवमेंट तथा आरक्षण को निष्प्रभावी बनाने एवं खत्म करने के षड्यंत्र को कांग्रेस, भाजपा और उनके गठबंधन से बचाना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण व क्रीमीलेयर का नया नियम लागू करने के फैसले पर कहा कि पुरानी व्यवस्था को बहाल रखने के लिए केंद्र द्वारा अभी तक भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बसपा को मूवमेंट के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए वह हर कुर्बानी देने को तैयार हैं। पार्टी व मूवमेंट के हित में न तो वह कभी रुकने वाली हैं और न ही झुकने वाली हैं। टूटने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।

### आकाश आनंद का कद बढ़ा

नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद का कद बढ़ाते हुए उन्हें महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव का प्रभारी बनाया गया है।

# खेल के साथ राजनीति भी कर लेंगे : विनेश फोगाट

### » कांग्रेस में शामिल होने के सवाल पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उचाना। जींद के खटकड़ टोल प्लाजा पर सोमवार को 105 गांवों व खापों ने ओलिंपियन पहलवान विनेश फोगाट का सम्मान किया। विनेश फोगाट को गदा, चांदी का मुकुट का प्रतीक हल भेंट किए गए। इस दौरान विनेश फोगाट से जब भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह की टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो फोगाट ने कहा कि मैं नहीं जानती, कौन संजय सिंह?

उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान वे किसानों के वीडियो देख कर रोती थी। राजनीति में आने के प्रश्न पर फोगाट ने पलट कर पूछा कि क्या अच्छा है खेल या राजनीति? इस पर कहा गया कि दोनों ही अच्छे हैं। इस पर विनेश फोगाट ने कहा कि दोनों ही कर लेंगे। राजनीति में आने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि नहीं पता राजनीति में क्या शुरुआत होगी। लोग उनसे क्या उम्मीद लगा रहे हैं। मेरे अपने लोग क्या कह रहे हैं, यह महत्वपूर्ण है। वहीं जुलाना से कांग्रेस का टिकट मिलने की चर्चा पर उन्होंने कहा कि वे जींद की बहू हैं। ऐसे में यह उनका घर परिवार है। जींद में शादी होने पर उन्हें गर्व है।

### जींद के लोग क्रांतिकारी

विनेश फोगाट ने कहा कि खाप उनका परिवार हैं। हमेशा उनके साथ खड़ा रहा है। जब महिला पहलवानों का आंदोलन चल रहा था, तब भी यही लोग साथ खड़े थे। जींद के लोग क्रांतिकारी हैं। यहां आकर उन्हें गर्व होता है। स्वर्ण पदक से चूकने पर विनेश फोगाट ने कहा कि यह लंबी कहानी है आज यह बताने का दिन नहीं है। जूनियर खिलाड़ी और भी पदक लेकर आएंगे। खेल में जितना भी योगदान दे सकती हैं, वह देंगी। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह द्वारा की गई टिप्पण के प्रश्न पर फोगाट ने कहा कि वे विवादित प्रश्नों पर कुछ नहीं कहेंगी। उन्होंने कह दिया कि संजय सिंह कौन हैं, वे नहीं जानती।

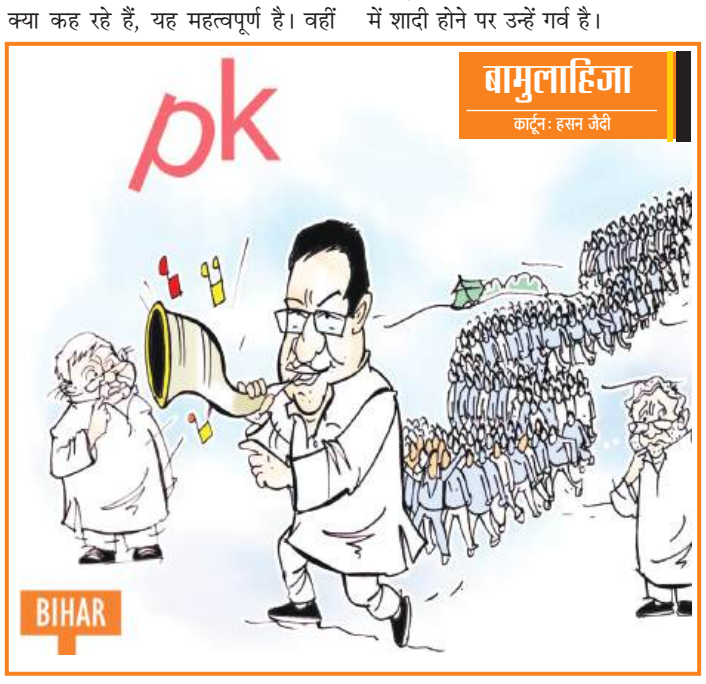


# यूपी के हर शहर में बेटियां असुरक्षित : राय

## बाग में लटकते मिले युवतियों के शव, कांग्रेस अध्यक्ष ने योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फर्रुखाबाद में जन्माष्टमी के दिन मंदिर गयी दो युवतियों के शव आम के बाग में फंदे से लटकते हुए मिले हैं। इस घटना को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सोशल साइट पर बयान जारी कर कहा कि यूपी में क्या कोई ऐसा शहर है जहां पर बेटियां सुरक्षित हों? उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के दर्शन-पूजन को गई युवतियों को दरिंदों ने मारकर एक ही दुपट्टे से बांधकर लटका दिया।

योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में दरिंदों का राज कायम है। पूरा प्रदेश में महिला सुरक्षा का दावा करने वाले क्या एक भी शहर ऐसा बता सकते हैं, जहां बेटियां सुरक्षित हों? अगर नहीं! तो खुलेआम अपनी सरकार के नाकामी की घोषणा कर दें। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में दरिंदों का राज कायम है। इस घटना को लेकर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए।

### हमेशा नशे में ही रहती हैं कंगना रनौत

किसानों को लेकर कंगना की टिप्पणी के बारे में अजय ने कहा कि वह हमेशा नशे में ही रहती हैं। किसानों को गाली देने का काम करती हैं। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करे। इसके पहले राहुल गांधी ने भी बगैर नाम लिए कंगना और भाजपा पर निशाना साधा था। यूपी कांग्रेस की बागडोर संभाल रहे अजय राय ने कंगना को लेकर कहा कि वह बेफिजूल बयानबाजी करती रहती हैं। हमेशा नशे में ही रहती हैं। किसानों को गाली और गोली देने का काम करती हैं। वो बांग्लादेश की बात कर रही हैं लेकिन यह बताएं कि भाजपा की सरकार ने वहां के कितने हिंदुओं को यहां शरण दी? कितने हिंदुओं के लिए शिविर लगाए गए। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, कंगना ने किस स्पेशल कैमरे से देख लिया कि वहां पर रेप और मर्डर की घटनाएं हो रही थीं। कंगना ने किसानों को ही नहीं, बल्कि हम सबको गाली दी है। मोदीजी और नड्डाजी से कहना चाहता हूं कि कंगना के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। माफी मांगने और बयान से किनारा करने से ही केवल काम नहीं चलेगा।

### एसजीपीसी ने कहा- कंगना माफी मांगो

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म इमरजेंसी को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फिल्म निर्माताओं को कानूनी नोटिस भेजा है। एसजीपीसी ने फिल्म के ट्रेलर को सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म से भी हटाने की मां की। एसजीपीसी ने कहा कि इससे सिख समुदाय की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। शिरोमणि कमेटी के कानूनी सलाहकार अमनबीर सिंह सियाली द्वारा भेजे गए नोटिस में कंगना रनौत समेत फिल्म के निर्माताओं से सार्वजनिक और सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जारी ट्रेलर को हटाने और सिख समुदाय से लिखित माफी मांगने को कहा गया है।

# बंगाल में लगे राष्ट्रपति शासन : अपर्णा यादव

### » बोलीं, आरोपी को बचा रही है ममता सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म व हत्या के मामले में पूरे देश में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। लखनऊ में भाजपा नेता अपर्णा यादव ने विरोध प्रदर्शन किया और पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार आरोपी को बचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की सरकार को बर्खास्त किया जाए और वहां राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। उन्होंने हजरतगंज में गांधी प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल थे।

### महिलाओं की सुरक्षा राष्ट्रीय समस्या बनी : बसपा प्रमुख

मायावती ने कहा कि यूपी सहित पूरे देश में महिलाओं की सुरक्षा राष्ट्रीय समस्या बनकर उभर रही है। इसको लेकर अब केवल बयानबाजी व जुमलेबाजीसे काम चलने वाला नहीं है बल्कि केंद्र व राज्य सरकारों को सही नीयत व नीति के साथ काम करने की जरूरत है।

# प्रत्याशी तय! अब चुनावी जंग की तैयारी

## भाजपा, कांग्रेस समेत कई दलों ने उम्मीदवारों की घोषणा की

- कांग्रेस की ओर से हुड्डा ने संभाला मोर्चा
- भाजपा की कमान सीएम सैनी व खट्टर को
- यूपी के सियासी दल भी ठोंकेंगे ताल
- हुड्डा को हराना आसान नहीं गढ़ी सांपला-किलोई जाट बहुल इलाका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में चनावों की तैयारियां पूरे जोरों पर है। अब धीरे-धीरे सभी सियासी दल अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित करने लग गए हैं। भाजपा, कांग्रेस, जजपा, बसपा, सपा व इनेलों ने प्रत्याशियों की सूची पर मंथन शुरू कर दिया है कई पार्टियों ने उम्मीदवार तय कर दिए हैं। कांग्रेस भूपेन्द्र हुड्डा के सहारे चुनावी वैतरिणी पार करने की कोशिश में है। पूर्व सीएम भी इसबार सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। उधर भाजपा सैनी व खट्टर दम पर फिर विपक्ष को टक्कर देकर सत्ता की तिकड़ी लगाने में जुटी है। सभी पार्टियों की नजर राज्य के जाट वोट बैंक पर है जिनकी संख्या ठीक-ठाक है जो चुनाव में सरकारों के बनने बिगड़ने में बहुत बड़ी भूमिका बनाते हैं। पर इस बार के चुनाव में क्या रंग दिखातें हैं देखने वाली बात होगी।

किसानों के मसीहा दीनबंधु सर छोटूराम की सरजमीं गढ़ी सांपला-किलोई विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा 24 साल से कभी नहीं हारे। 2000, 2005 व 2014 में इनेलो व 2019 में भाजपा ने मजबूत प्रत्याशी उतारे, लेकिन हुड्डा की जीत एकतरफा ही रही। उनको हमेशा सीएम चेहरे होने का फायदा मिला है। मई 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा को अकेले गढ़ी सांपला-किलोई हलके से 77 हजार से ज्यादा वोटों की लीड मिली थी। इस बार भी कांग्रेस से गढ़ी सांपला-किलोई से केवल हुड्डा ने टिकट मांगा है, जबकि विपक्ष अभी उम्मीदवार तक तय नहीं कर पाया। दो बार इनेलो व एक बार भाजपा के टिकट पर हुड्डा के खिलाफ उतरने वाले सतीश नांदल ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया है। उनकी जगह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए पूर्व मंत्री कृष्णमूर्ति हुड्डा टिकट मांग रहे हैं।

जाट बहुल गढ़ी सांपला-किलोई में 2.20 लाख मतदाता हैं। इनमें से 50 प्रतिशत जाट हैं। जाटों में भी हुड्डा खाप के 24 गांव हैं, जिनका ऐतिहासिक चबूतरा हलके के गांव बसंतपुर में है। इसी कारण हुड्डा इस बार भी अपनी जीत के लिए आश्वस्त हैं।हालांकि उनके पिता व हुड्डा खुद दो बार इस सीट से हार भी चुके हैं। किलोई हलके का गठन 1967 में हुआ, जहां से कांग्रेस के टिकट पर पहला चुनाव भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पिता चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा ने लड़ा, लेकिन वे मस्तनाथ मठ के महंत श्रेयोनाथ से चुनाव हार गए। 1982 व 1987 में भूपेंद्र हुड्डा भी लोकदल के प्रत्याशियों से हार गए। 2000 में उनको पहली बार जीत नसीब हुई। उसके बाद 2005 में हुए उपचुनाव से वे लगातार जीत रहे हैं। उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा के सांसद बनने में हमेशा से इस हलके का अहम योगदान रहा है। इस हलके में जाटों के करीब 1.15 से 1.17 लाख वोट हैं। एससी के 40 से 45 हजार, बीसी ए 25 से 28 हजार, बीसी बी 6 से 8 हजार, ब्राह्मण 22 से 25 हजार, सैनी 6 से 7 हजार, राजपूत डेढ़ हजार व बनिया करीब ढाई हजार हैं। देशवाल खाप का लाढ़ोत, बलियाना, बैंयापुर व घिलौड़ कलां, कुंडू खाप का रिटौली व सुंदरपुर और नांदल खाप बोहर, गढ़ी बोहर, बोहर माजरा में ज्यादा है। घिलौड़ कलां, ब्राह्मणवास व भैंसरू खुर्द और दतौड़ ब्राह्मण बाहुल्य गांव हैं। हलके के एकमात्र कस्बे में बनिया व पंजाबी समुदाय की अच्छी पैठ है। सियासी तौर पर हलके का जाट बाहुल्य गांव बोहर, सांघी, किलोई, टिटौली, रिठाल, गांधरा, इस्माईला ज्यादा सक्रिय रहते हैं।

### भाजपा उम्मीदवारों के नाम तय

भाजपा ने 90 विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम लगभग तय कर दिए हैं। हिसार विधानसभा क्षेत्र से सावित्री जिंदल और बादशाहपुर से राव नरबीर का टिकट लगभग फाइनल हो गया है। वहीं, सीएम की सीट को लेकर भी काफी मंथन किया गया। पार्टी सैनी को नारायणगढ़ और लाडवा सीट से लड़वाने के पक्ष में है। करनाल सीट से भाजपा पंजाबी समुदाय से उम्मीदवार उतारेगी। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व 29 अगस्त को उम्मीदवारों पर मंथन करेगा। बैठक के अगले दिन पार्टी 30 अगस्त को अपनी पहली सूची जारी कर सकती है। हरियाणा भाजपा की विधानसभा चुनाव समिति की बैठक पिछले दिनों गुरुग्राम में हुई थी। दो दिन चली बैठक में 90 विधानसभा सीटों के लिए पैनल तैयार किए गए। उसके बाद हरियाणा के प्रभारी, सीएम व प्रदेश अध्यक्ष की छोटी टोली की बैठक हुई। दो दिन वरिष्ठ नेताओं ने इस सूची पर मंथन किया। बताया जा रहा है कि छोटी टोली की बैठक में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम लगभग तय हो चुके हैं। भाजपा नेतृत्व को सबसे ज्यादा मंथन उन सीटों पर करना पड़ा, जहां विधायकों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर हावी है। हिसार सीट पर भी कड़ा मुकाबला है। यहां से सैनी के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व भाजपा सांसद नवीन जिंदल की मां सावित्री जिंदल के बीच टिकटों को लेकर जोर आजमाइश चल रही है। फिलहाल पार्टी सावित्री जिंदल को टिकट देने के पक्ष में है। वहीं, अहीरवाल की भी कुछ सीटों पर काफी मशक्कत करनी पड़ी। बादशाहपुर में पूर्व मंत्री राव नरबीर व मनोहर लाल के पूर्व ओएससी जवाहर यादव के बीच टिकट को लेकर काफी जोर-आजमाइश चल रही है। सूत्रों ने बताया कि राव नरबीर के नाम पर लगभग सहमति बन गई है। पिछले चुनाव में भाजपा ने उनकी टिकट काट दी थी।

### विकास की गंगा बही थी पर अब हालात बदतर

विकास की बात करें तो हुड्डा राज में हलके में नहरी पानी लगातार आता था, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। पिछली बार हलके में घिलौड़, जसिया, कान्ही, रिठाल, सांघी, खिड़वाली, ब्राह्मणवास, बसंतपुर व चमारिया में जलभराव हुआ था। इस बार बारिश नहीं होने से धान की फसल प्रभावित हो रही है। स्टेडियम अब देखभाल के अभाव में ये जर्जर हो गए हैं। जलघरों का भी यही हाल है। हुड्डा राज में हलके के 100 से ज्यादा युवाओं को नौकरी मिली, लेकिन पिछले 10 साल में बहुत कम लग पाए।

### हलोपा को सिर्फ दो सीटें दे सकती है भाजपा

भाजपा को गठबंधन के साथ तालमेल बैठाना है। इनमें सिरसा जिले की सभी सीटें शामिल हैं। हलोपा सिरसा की सभी विधानसभा सीटों कालांवली, डबवाली, सिरसा, ऐलनाबाद और रानियां से अपने प्रत्याशी खड़े करना चाह रही है। मगर, फिलहाल भाजपा इस पर सहमत नहीं है। भाजपा हलोपा को दो सीटें देने को तैयार है। भाजपा ने पहली सूची के लिए कुछ नाम तय कर दिए हैं। इनमें सीएम सैनी, कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर, पूर्व मंत्री अनिल विज, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, भव्य बिश्नोई, श्रुति चौधरी, आरती राव, कृष्णमूर्ति हुड्डा, आदित्य देवीलाल, जेपी दलाल, डॉ. बनवारी लाल, मूलचंद शर्मा, अभय यादव, महिपाल ढांडा, सुभाष सुधा का नाम शामिल है।

### चंद्रशेखर आजाद की एंट्री

हरियाणा में जननायक जनता पार्टी और आजाद समाज पार्टी मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने एलान किया कि दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन हो गया है। 70 सीटों पर जननायक जनता पार्टी और 20 सीटों पर आजाद समाज पार्टी उम्मीदवार उतारेगी। इस चुनाव से पहले हरियाणा में जजपा के एमएलए लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। अब तक छह विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। वहीं रामकुमार गौतम शुरू से ही पार्टी के विरोध में बोलते रहे हैं, वो भी पार्टी छोड़ सकते हैं। जननायक जनता पार्टी ने 2019 में दस सीट जीती थी और पूर्ण बहुमत से दूर रही भाजपा को समर्थन देकर प्रदेश की सरकार में साझेदार बनी थी। इससे पहले दुष्यंत चौटाला और चंद्र शेखर आजाद ने साझा पोस्टर शेयर किया था। वहीं चंद्रशेखर आजाद ने भी पोस्ट डाली है, जिसमें दोनों पार्टियों के हाथ मिलाने के संकेत दिए गए हैं। चंद्रशेखर आजाद ने भी एक्स पर पोस्ट की है। जिसमें लिखा है किकिसान-कमेरों की लड़ाई, हम लड़ते रहेंगे बिना आराम, ताऊ देवीलाल की नीतियाँ, विचारधारा में मान्यवर कांशीराम। जय भीम, जय भारत, जय जवान, जय किसान, जय संविधान। इस चुनाव से पहले हरियाणा में जजपा के एमएलए लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। अब तक छह विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। वहीं रामकुमार गौतम शुरू से ही पार्टी के विरोध में बोलते रहे हैं, वो भी पार्टी छोड़ सकते हैं। जननायक जनता पार्टी ने 2019 में दस सीट जीती थी और पूर्ण बहुमत से दूर रही भाजपा को समर्थन देकर प्रदेश की सरकार में साझेदार बनी थी।

### 2005 तक किलोई हलका, उसके बाद से गढ़ी सांपला-किलोई

पुराने रोहतक संसदीय क्षेत्र में 1952 से 1966 तक मौजूदा गढ़ी सापला-किलोई का क्षेत्र हलका सांपला विधानसभा में शामिल रहा। 1967 में सांपला हलके से किलोई व हसनगढ़ हलका बना दिया गया। 2009 में परिसीमन के बाद गढ़ी सांपला-किलोई को हरियाणा का विधानसभा क्षेत्र 61 घोषित किया गया। किलोई में 1967 से 2004 तक हुए चुनाव में चार बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की, जबकि दो बार लोकदल के प्रत्याशी ने परचम लहराया।वर्ष विजेता पार्टी-1967 महंत श्रेयोनाथ निर्दलीय,1968 चौधरी रणबीर हुड्डा कांग्रेस,1972 महंत श्रेयोनाथ कांग्रेस (एस),1977 हरिचंद हुड्डा जनता पार्टी, 1982 हरिचंद हुड्डा लोकदल, 1987 श्रीकृष्ण हुड्डा लोकदल,1991 कृष्णमूर्ति हुड्डा कांग्रेस,1996 श्रीकृष्ण हुड्डा एसएपी,2000 भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस,2004 श्रीकृष्ण हुड्डा कांग्रेस, 2005 भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस (उपचुनाव),2009 भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस,2014 भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस, 2019 भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस।

### सपा व बसपा भी दिखाएंगे दम

हरियाणा के चुनावी दंगल में यूपी की चुनावी पार्टियां भी अपना दम दिखाएंगी। समाजवादी पार्टी हरियाणा के चुनावी दंगल में उतर सकती है। सपा की उत्तर प्रदेश के मूल निवासी और मुस्लिम मतदाताओं के भरोसे क्षेत्रीय से राष्ट्रीय पार्टी बनने की तमन्ना है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा विधानसभा चुनाव में किसी भी दल से गठबंधन से इन्कार कर चुके हैं। उधर बसपा ने पहले ही इनेलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन का हवाला देते हुए कांग्रेस से हरियाणा में पांच विधानसभा सीटें मांगी हैं। समाजवादी पार्टी को कांग्रेस हाईकमान के जवाब का इंतजार है। हालांकि हरियाणा कांग्रेस विधायक दल के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश में किसी भी गठबंधन से इन्कार करते हुए कहा है कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन में शामिल है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी। यदि कांग्रेस हरियाणा में समाजवादी पार्टी को सीटें नहीं देती है तो अखिलेश यादव मध्य प्रदेश की तरह हरियाणा में भी अकेले चुनाव लड़ने का फैसला ले सकते हैं। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए यूपी की 37 सीटों पर जीत दर्ज की।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# लोकतांत्रिक तरीके से ही संवरेगा जम्मू-कश्मीर

*लोकतांत्रिक तरीके से जब जम्मू-कश्मीर में सरकार आएगी तो निश्चित वहां के हालात और बेहतर हो जाएंगे। अभी चूकि वहां पर राज्यपाल शासन है ऐसे में वहां पर जो भी व्यवस्था बनाई जा रही है वह केंद्र द्वारा थोपी जा रही है। हो सकता है योजनाएं सरकार की नजर में अच्छी हों पर इसमें कोई दो राय नही कि सभी योजनाएं जनता की सहमति से लागू नहीं हो रही है। ये निर्णय सरकारी बाबूओं के रिपोर्ट पर बन रही है। इसलिए जब चुनाव होंगे तो राज्य की सियासी पार्टियां उसमें भाग लेंगी। उसके प्रतिनिधि जनता द्वारा चुनकर राज्य की विधान सभा में पहुंचेंगे। वह वहां जनता से जुड़े मुद्दे उठाएंगे जिससे जो भी कानून बनेंगे वह जनता के अपने विचार या सहमति से प्रेरित होंगे। जैसे-जैसे वहां के चुनाव नजदीक आ रहे हैं, देश और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें जम्मू और कश्मीर के इन चुनाओं पर केन्द्रित हो रही हैं राज्य गहन राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है, जहां नेता और पार्टी कार्यकर्ता समर्थन जुटाने के लिए जोरदार प्रचार कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनावों की लंबे समय से प्रतीक्षित तिथियों की घोषणा कर दी गई है। चुनाव तीन चरणों में आयोजित किए जाएंगे।*

*पहले चरण का मतदान, जिसमें 24 सीटें शामिल हैं, 18 सितंबर को होगा। दूसरे चरण में 26 सीटों पर 25 सितंबर को मतदान होगा, और तीसरे चरण में 40 सीटों पर 1 अक्टूबर को मतदान होगा। चुनाव परिणाम 4 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। यह उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू और कश्मीर में 30 सितंबर, 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिये थे। यह जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन/निरस्तीकरण के बाद पहला विधानसभा चुनाव होगा. निरस्तीकरण 5 अगस्त, 2019 को हुआ था। मीडिया राजनेताओं और मतदाताओं के बीच प्राथमिक सेतु है, और इस अवधि के दौरान इसकी जिम्मेदारियां मात्र रिपोर्टिंग से कहीं अधिक हैं। यह आवश्यक है कि मीडिया पत्रकारिता के उच्चतम मानकों का पालन करें और अभियानों की वस्तुनिष्ठ और तथ्यात्मक कवरेज सुनिचित करें। सटीकता, निष्पक्षता और सूचना के नैतिक प्रसार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जम्मू और कश्मीर में एक पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मीडिया के साथ ही राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी के पूरी ईमानदारी से लोकतंत्र के इस पर्व में भाग लें। और जनता के बीचे जाएं राज्य के विकास के लिए अपनी योजनाएं बताएं और उनसे निवेदन भी करें कि वह वोट जरूर डालें। यहां यह समझना जरूरी है कि वोटिंग से ही हम सही गलत का सटीक जवाब दे सकते हैं। इसलिए वोट जरूर डालने जाइए।*

**“ जैसे-जैसे वहां के चुनाव नजदीक आ रहे हैं, देश और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें जम्मू और कश्मीर के इन चुनाओं पर केन्द्रित हो रही हैं राज्य गहन राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है, जहां नेता और पार्टी कार्यकर्ता समर्थन जुटाने के लिए जोरदार प्रचार कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनावों की लंबे समय से प्रतीक्षित तिथियों की घोषणा कर दी गई है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# धीमी हो रही प्रगति के पहियों की चाल

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारत के राज्यों में महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जिसे कॉरपोरेट के मामले में सबसे आगे माना तो जाता ही है, यहां उद्योग-धंधों में भी लगातार बढ़ोतरी होती रही है। इसलिए इसे भारत की वाणिज्यिक राजधानी कहा जाता है। पिछले दस सालों के आंकड़े बता रहे हैं कि वहां उद्योगों की स्थिति पहले से कहीं बेहतर है। इस दौरान जब सरकारों में बदलाव हुआ तो कुछ व्यवधान जरूर आया लेकिन स्थिति फिर से पहले जैसी हो गई। महाराष्ट्र की एक खासियत यह है कि इस राज्य ने बहुत बड़े पैमाने पर प्रवासियों को अपने यहां रोजगार दिया है और उन्हें बराबरी का दर्जा भी दिया जिससे वे भी फल-फूल सकें।

लेकिन अभी राज्य में जिस तरह से जातिवादी आंदोलन शुरू कराया गया, वह इसके विकास के लिए ठीक नहीं है। उद्योगपति हमेशा शांतिपूर्ण तरीके से अपना काम करना चाहता है और किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहता है। उद्योगों के सुचारु रूप से चलने के लिए यह पहली शर्त है। किसी भी तरह का राजनीतिक या बड़ा सामाजिक विवाद व्यवधान पैदा करता है जैसा हमने बिहार में देखा। वहां ये दोनों हुए और देश का एक संपन्न राज्य देश का सबसे पिछड़ा राज्य बन गया। राजनीतिज्ञों की दबंगई और आरक्षण आंदोलनों के कारण फैली कटुता ने राज्य को बर्बाद कर दिया। यह देखा जा रहा है कि राजनीतिज्ञ ही ज्यादातर मामलों में सामाजिक विवादों को सुलगाते हैं और बढ़ावा देते हैं। इससे राज्य के सामान्य जीवन पर भी असर पड़ता है और उसका असर काम-धंधे तक जाता है। हरियाणा में जाट और गैर-जाट का विवाद कोई नया नहीं है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसे खासी हवा दी गई जिससे राज्य में कई बार आंदोलन हुए और इसका असर उद्योग-धंधों पर भी पड़ा। जाट आरक्षण के नाम पर वहां बहुत उग्र आंदोलन हुए। इसका असर यह हुआ कि कई उद्योगपति, कारखानेदार और कारोबारी राज्य को छोड़कर उत्तराखंड चले गये जहां की सरकार ने आगे बढ़कर उनके लिए कई तरह के कन्सेशन दिये। हरियाणा में यूनियनों के भी उग्र आंदोलन हुए जिन्होंने राज्य के औद्योगिक विकास पर भी असर डाला।

हरियाणा को इस बात का गौरव प्राप्त था कि वहां देश का सबसे बड़ा कार कारखाना स्थित है लेकिन यूनियनों के उग्र रूप के कारण कंपनी ने अपने विस्तार का काम रोक दिया। इन दोनों तत्वों के कारण राज्य में उद्योगों का

लगना काफी कम हो गया। जातिवाद से हरियाणा को जो क्षति हुई उसका आकलन करना भी मुश्किल है। जब गुजरात में पाटीदारों का आंदोलन हुआ तो वहां भी 2015 में यह उग्र हो गया। सारे राज्य में इसकी आग फैल गई। हिंसा और तोड़फोड़ हुई। यह आंदोलन 2019 तक बदस्तूर चला और उसके दुष्परिणाम सबने देखे। उद्योग-धंधों पर असर तो पड़ा ही, समाज कई भागों में बंट गया जिससे काफी नुकसान हुआ। लेकिन बाद में राज्य सरकार ने केन्द्र के सहयोग से उस पर काबू पा लिया। अब तो गुजरात तेजी से आगे बढ़ता जा रहा है और कई बड़े कारखाने वहां लगे क्योंकि उद्योगपतियों को वहां का माहौल ठीक लग रहा है।

वहां सत्ता के लिए राजनीतिज्ञ सभी तरह के तौर-तरीके तो अपनाते हैं लेकिन सड़कों पर उग्र ढंग से उतरने के लिए जनता को नहीं उकसाते हैं। वहां का कारोबारी माहौल कंपनियों खासकर विदेशी कंपनियों को रास आता है। दरअसल, उद्योग-धंधे लगाने के लिए एक खास किस्म का माहौल चाहिए होता है। अगर हम अतीत में जायें तो पायेंगे कि नब्बे के दशक में आर्थिक सुधारों की घोषणा के बाद हरियाणा में उद्योग लगाने वालों की कतार खड़ी हो गई थी। वहां के शांत माहौल और दिल्ली से नजदीक होने के कारण वहां कई छोटे-बड़े कारखाने लगे। विदेशी निवेश भी वहां खूब आया। यह सिलसिला चलता गया और इसी क्रम में एक मॉडर्न शहर गुड़गांव उभर कर सामने आया जहां रियल एस्टेट का कारोबार खूब फला-फूला। लेकिन अब कारखाने लगने बंद से हो गये हैं। संकीर्णता के आंदोलन और जमीन के बढ़ते भाव के कारण पूंजीपति पैसा लगाने को अब तैयार नहीं हैं। उन्हें लाने के लिए उन्हें इंसेंटिव देना और माहौल को सुधारना जरूरी है। लेकिन सुधारेगा कौन और सुधरेगा कैसे? इसके लिए तो राजनीतिज्ञों को सामने आना होगा।

महाराष्ट्र में इस समय कई बड़े और छोटे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। उनमें से कई समाप्ति की ओर अग्रसर हैं। इस राज्य में काफी क्षमता है और यह एक्सपोर्ट का हब बन सकता है क्योंकि इसके पास सभी तत्व मौजूद हैं। समुद्र के तट पर यह राज्य बसा है और यहां कई बड़े तथा छोटे बंदरगाह भी हैं जो निर्यात के लिए उपयुक्त हैं। ऐसे में इस तरह के उद्योगों को बढ़ावा दिया जाये जो निर्यात योग्य सामग्री बनाते हों। ऐसा करना जरूरी है क्योंकि इससे न केवल राज्य के उद्योगों का ग्राफ बढ़ेगा बल्कि रोजगार भी।

# सियासी उथल पुथल में भी आर्थिक संबंध सुचारु रखने की जरूरत

जी. पार्थसारथी

अपने दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में एक यह है कि जब से 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में बांग्लादेश का जन्म हुआ, उसके साथ हमारे संबंध घनिष्ठ बने रहे। पश्चिमी अर्थशास्त्री तभी से दावा करने लगे थे कि बांग्लादेश की नियति 'अंतर्राष्ट्रीय भिखारी' होना तय है और उसका गुजारा सदा विदेशी सहायता पर निर्भर रहेगा। तथापि, बांग्लादेश का आर्थिक प्रदर्शन पाकिस्तान से कहीं बेहतर रहा। शेख हसीना के शासनकाल के दौरान, पिछले दो वर्षों में वार्षिक आर्थिक विकास दर लगभग 6 प्रतिशत रही वहीं 2023 में पाकिस्तान की वृद्धि दर 2.38 प्रतिशत थी।

प्रचलित धारणा के विपरीत, जो बात उभरकर सामने आई कि हसीना और उनकी सरकार ने बांग्लादेशी अर्थव्यवस्था की आर्थिक वृद्धि दर में अच्छा प्रदर्शन कर दिखाया। पश्चिमी प्रचार के उलट,बांग्लादेश की बजाय पाकिस्तान 'अंतर्राष्ट्रीय भिखारी' बन गया,जो आज विदेशी सहायता पर अत्यधिक निर्भर है। अफगानिस्तान संघर्ष समाप्त होने के बाद से, अरब सागर और फारस की खाड़ी क्षेत्र में पाकिस्तान खुद को रणनीतिक समीकरणों को नियंत्रित करने वाली एक महत्वपूर्ण शक्ति होने का दावा करना जारी नहीं रख सकता। बांग्लादेश की घटनाओं का विश्लेषण करते समय जिस महत्वपूर्ण कारक को ध्यान में रखा जाना चाहिए वह यह कि स्पष्टत: हाल के दिनों में हसीना को हटाने के लिए हुआ 'सत्ता परिवर्तन' राजनीतिक कारणों से था, जिसमें साफ तौर पर पाकिस्तान की रुचि दिखी। हालांकि, पाकिस्तान के पास फिलहाल ऐसी कार्रवाइयों को अंजाम देने के लिए संसाधन या रणनीतिक कुव्वत नहीं है। उसका मुख्य जोर बांग्लादेश के इस्लामी संगठनों के साथ तालमेल बिठाने पर रहा है। जाहिर है इस प्रकार की 'सहायता' धार्मिक कट्टरवाद के उन्माद पर आधारित होती है, जिसकी व्याख्या पाकिस्तानी प्रतिष्ठान 'कट्टरपंथी इस्लाम' के रूप में करता है। आखरिकार, पाकिस्तान ने किसी भी देश को आर्थिक रूप से मदद देने के लिए कहीं कुछ नहीं किया।

अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी करने के बावजूद, इसने अपने इस उत्तरी पड़ोसी मुल्क के लोगों के कल्याण हेतु जरा भी आर्थिक मदद नहीं की। आशा है, अपनी नाजुक आर्थिक स्थिति के मद्देनजर बांग्लादेश समझेगा कि अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों में जटिलताएं या तनाव पैदा करने से बचना ही अक्लमंदी होगी। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार और नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस और सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान, दोनों के सामने घरेलू स्थिति व्यवस्थित करने में पर्याप्त समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। उम्मीद करें कि नई सरकार देश की समस्त सीमाओं पर, सीमा पारीय हिंसा या आतंकवाद को अनुमति न देने के प्रति सजग रहेगी। हालांकि, यह खुला रहस्य है कि 84 वर्षीय यूनुस का बिल क्लिंटन प्रशासन के दिनों से ही, तमाम अमेरिकी सरकारों के साथ अच्छे संबंधों का एक लंबा इतिहास है। ब्रिटिश प्रतिष्ठान के साथ भी उनके संबंध घनिष्ठ हैं। छोटे किसानों के लिए 'सूक्ष्म ऋण' रूपी उपाय को बढ़ावा देकर, बांग्लादेश के कृषि क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय है। भारत के लिए, ढाका के साथ व्यापारिक, आर्थिक और नागरिकों के बीच आपसी संपर्क जारी रखना और उसका विस्तार करना उपयोगी होगा।

आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को जितना जल्द हो सके, पूरी तरह बहाल करना जरूरी है। बांग्लादेश के निर्यात-उन्मुख कपड़ा उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, विगत में भारत और उसके व्यापारिक प्रतिष्ठानों के बीच संबंध प्रगाढ़ होते चले गए, आगे इन्हें और मजबूत किया जाना चाहिए। दिसंबर 1971 में, अपने जन्म के बाद से, बाहरी दुनिया के साथ बांग्लादेश के जो संबंध रहे, वह उसके ऐतिहासिक अनुभवों से अभिन्न रूप से जुड़े हुए थे। ऐसी चिंताएं भी हैं कि बांग्लादेश की दोनों नई व्यवस्थाओं (सेना और सरकार) के साथ अपने संबंध मजबूत करने में चीन की बढ़ती रुचि के अलावा उसके द्वारा बांग्लादेश एवं पड़ोसी म्यांमार में नौवहनीय अड्डा प्राप्त करने वाली अपनी नीतियां जारी रखने के चलते, भारत के लिए बांग्ला भूमि से होकर बंगाल की खाड़ी तक थलीय पहुंच मार्ग योजना में मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। इसके लिए, भारत बंगाल की खाड़ी में सित्त्वे बंदरगाह (म्यांमार) जैसी विकास परियोजनाओं का निर्माण संयुक्त रूप से करते हुए, म्यांमार और बांग्लादेश के साथ संपर्क माध्यमों को मजबूत करने में गहरी दिलचस्पी ले रहा है।

इसके अतिरिक्त, भारत, बांग्लादेश और म्यांमार के बीच त्रिपक्षीय नौवहनीय सहयोग की रूपरेखा पर विचार करना सार्थक होगा, विशेषकर संचार और व्यापार में। यह ध्यान में रखने की जरूरत है कि चीन लंबे अर्से से बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से होकर, फारस की खाड़ी और उससे आगे के तेल सपंन्न अरब मुल्कों तक अपनी समुद्री पहुंच सुनिश्चित करने की फिराक में है। चीन के लिए अपनी बृहद रणनीतिक आकांक्षाओं की पूर्ति की राह में, बंगाल की खाड़ी से होकर वहां तक समुद्री पहुंच मार्ग और लंगर डालने की सुविधा को सुनिश्चित बनाए रखने का बहुत महत्व है। फिलहाल चीन को ऐसी पहुंच की सुविधा सिर्फ पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह तक ही उपलब्ध है। यह देखना बाकी है कि यूनुस चीन की समुद्री महत्वाकांक्षाओं से किस प्रकार निबटेंगे।

# सब्जियां बालों के लिए हैं रामबाण

## टमाटर

टमाटर का सेवन तो आप खूब करते होंगे। यह किसी भी खाने के स्वाद को दोगुना बढ़ा देता है। कई तरह के स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर टमाटर का सेवन ज्यादातर लोग सब्जी, सलाद, सूप, जूस की तरह करते हैं। हालांकि, इसका जूस ना सिर्फ सेहत के लिए हेल्दी होता है, बल्कि बालों, स्किन को भी जवां बनाए रखने में कारगर है। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं जो बालों को स्वस्थ रखते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए टमाटर को पीसकर उसका पेस्ट बना लें। इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं। इस मिश्रण को बालों और स्कैल्प पर लगाएं और 20-30 मिनट बाद धो लें। इसमें मौजूद विटामिन और आयरन डल बालों में चमक और जान लाते हैं।

## प्याज

शायद ही कोई घर ऐसा होगा, जिसमें प्याज मौजूद न हो। ऐसे में आप बिना सोचे प्याज का इस्तेमाल करके अपने बालों की देखभाल कर सकते हैं। बालों की समस्या से निपटने में प्याज के रस असरदार होता है। इसका लेप तैयार करने के लिए सबसे पहले प्याज को कद्दूकस करके इसका जूस निकाल लें। अब इस जूस में दो चम्मच शहद मिलाएं। इस लेप को 40 मिनट के लिए बालों पर लगाएं। 40 मिनट के बाद बालों को धो लें। नियमित रूप से इस हेयर मास्क के इस्तेमाल से आपको फायदा जरूर दिखेगा।

## धनिया

सुनने में अजीब है लेकिन धनिया में मौजूद तत्व बालों के सेल्स को मजबूत बनाने का काम करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए धनिया पत्ती को बारीक काटकर कुछ देर पानी में भिगो दें। अब इस पानी को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं। एक घंटे के बाद बालों को धो लें। हरा धनिया में कई ऐसे विटामिन, मिनरल्स होते हैं जो बालों के लिए फायदेमंद होते हैं जबकि शहद बालों को कंडीशनिंग का काम करता है।

## आलू

आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है, जोकि बालों के लिए काफी फायदेमंद हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व बालों को पतला होने से रोकते हैं और हेयर फॉलिकल्स को जरूरी पोषण देते हैं। आलू में मौजूद तत्व बालों को ऑक्सीजन देते हैं और हेयरफॉल से बचाते हैं। डैंड्रफ की समस्या से जूझ रहे लोग भी इस नुस्खे का इस्तेमाल कर सकते हैं। बालों को हेल्दी रखने के लिए आलू का इस्तेमाल कई तरीके से किया जा सकता है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले आलुओं को अच्छे से पीस लें। इसके बाद पिसे हुए आलू में एक चम्मच शहद और अंडे का पीला वाला भाग मिक्स करें। सही से पेस्ट बनाने के लिए इसमें थोड़ा सा पानी मिक्स करें। अब इस लेप को अपने बालों में आधे घंटे के लिए लगाकर छोड़ दें। आधे घंटे के बाद बालों को धो लें।

चाहे पुरुष हो या महिला, हर किसी के लिए उनके बाल उनके शरीर का काफी अहम हिस्सा होते हैं। आजकल के समय में बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल की वजह से बाल काफी कमजोर हो जाते हैं। ऐसे में इनका ध्यान रखना काफी जरूरी हो जाता है। बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल के साथ-साथ इस बदलते मौसम में भी बाल काफी झड़ते हैं। वैसे तो सैलून में आपको कई ऐसे हेयर केयर ट्रीटमेंट के बारे में जानकारी मिल सकती है, जो बालों के लिए लाभदायक हैं, लेकिन कई बार ये ट्रीटमेंट बालों पर गलत असर डालते हैं। जिस वजह से बहुत से लोग इनसे बचते हैं। इसलिए कई ऐसे घरेलू नुस्खे हैं जो बालों के लिए वरदान हैं। इन सब्जियों के इस्तेमाल से आप बेझिझक अपने बालों की देखभाल कर सकते हैं।

## लहसुन

प्याज की तरह ही लहसुन का इस्तेमाल भी बालों की लंबाई बढ़ाने में मदद करता है। दरअसल, लहसुन में सल्फर काफी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जिस वजह से ये बालों की लंबाई बढ़ाने का काम करता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको लहसुन की कली को स्कैल्प पर घिसना है। इससे भी आपको काफी फायदा मिलेगा।

## हंसना मना है

एक लड़की ने पिज्जा शॉप में जा कर पिज्जा आर्डर किया। वेटर- मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली- 4 पीस ही कर दो। 8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी।

इतवार के दिन बैंक कर्मचारी की बीबी उठो, जागो.. देखो मेरे मम्मी पापा आए हैं, आदमी- उनको कहो लाइन में लगें, और आईडी साथ में रखें।

पैसे वाला आदमी- आज मेरे पास 14 कार, 18 दूकान, 4 बंगले हैं ..तुम्हारे पास क्या है..? गरीब आदमी बोला- मेरे पास 1 बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है?

एक बार एक आदमी जंगल में जा रहा था। अचानक शेर देख सांस रोककर जमीन में लेट गया। ये देख कर शेर आया और उसके कान में बोला!,सावन है बेटा, वरना सारी होशियारी निकाल देता।

साइकल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला- आप बहुत लकी हो आदमी- ओए, एक तो मुझे साइकल मारी और ऊपर से कह रहा है कि मैं लकी हूं, कैसे? साइकल वाला- आज मेरी छुट्टी है, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

## कहानी | सेवा भाव ना भूलें, क्षमाशील बनें

एक राजा ने 10 खूंखार जंगली कुत्ते पाल रखे थे। जिनका इस्तेमाल वह लोगों को उनके द्वारा की गयी गलतियों पर मौत की सजा देने के लिए करता था एक बार राजा के एक पुराने मंत्री से कोई गलती हो गयी। राजा ने उसे शिकारी कुत्तों के सम्मुख फिकवाने का आदेश दे डाला। सजा दिए जाने से पूर्व राजा ने मंत्री से उसकी आखिरी इच्छा पूछी। राजन ! मैंने आज्ञाकारी सेवक के रूप में आपकी 10 सालों से सेवा की है, मैं सजा पाने से पहले आपसे 10 दिनों की मोहलत चाहता हूं। मंत्री ने राजा से निवेदन किया राजा ने उसकी बात मान ली। दस दिन बाद राजा के सैनिक मंत्री को पकड़ कर लाते हैं और राजा का इशारा पाते ही उसे खूंखार कुत्तों के सामने फेंक देते हैं। परंतु कुत्ते मंत्री पर टूट पड़ने की बाजए अपनी पूंछ हिला-हिला कर मंत्री के ऊपर कूदने लगते हैं और प्यार से उसके पैर चाटने लगते हैं। राजा आश्चर्य से यह सब देख रहा था उसने मन ही मन सोचा कि आखिर इन खूंखार कुत्तों को क्या हो गया है? वे इस तरह क्यों व्यवहार कर रहे हैं? आखिरकार राजा से रहा नहीं गया उसने मंत्री से पुछा, ये क्या हो रहा है, ये कुत्ते तुम्हें काटने की बजाये तुम्हारे साथ खेल क्यों रहे हैं? राजन! मैंने आप से जो 10 दिनों की मोहलत ली थी, उसका एक-एक क्षण मैं इन बेजुबानो की सेवा करने में लगा दिया। मैं रोज इन कुत्तों को नहलाता, खाना खिलाता व हर तरह से उनका ध्यान रखता। ये कुत्ते खूंखार और जंगली होकर भी मेरे दस दिन की सेवा नहीं भुला पा रहे हैं परंतु खेद है कि आप प्रजा के पालक हो कर भी मेरी 10 वर्षों की स्वामीभक्ति भूल गए और मेरी एक छोटी सी त्रुटि पर इतनी बड़ी सजा सुन दी! राजा को अपनी भूल का एहसास हो चुका था, उसने तत्काल मंत्री को आजाद करने का हुक्म दिया और आगे से ऐसी गलती ना करने की सौगंध ली।

**शिक्षा**- कई बार इस राजा की तरह हम भी किसी की बरसों की अच्छाई को उसके एक पल की बुराई के आगे भुला देते हैं। यह कहानी हमें क्षमाशील होना सिखाती है, ये हमें सबक देती है कि हम किसी की हजार अच्छाइयों को उसकी एक बुराई के सामने छोटा ना होने दें।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

**वृषभ** दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**मिथुन** नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

**कर्क** पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

**सिंह** परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे।

**कन्या** कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे।

**तुला** किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजन हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

**वृश्चिक** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा।

**धनु** बाहर जाने की योजना बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग कार्य में आसानी देगा। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे। नौकरी में चैन रहेगा।

**मकर** बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है।

**कुम्भ** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

**मीन** दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

# फिल्म इंडस्ट्री में आज भी होता है शोषण : रजित कपूर

फिल्म 'राजी' में आलिया भट्ट के पिता 'हिदायत खान' की भूमिका निभाने वाले रजित कपूर ने बॉलीवुड को लेकर कुछ ऐसे खुलासे किए हैं, जिन्होंने बॉलीवुड की हकीकत से एक बार फिर लोगों की आंखों से पट्टी खोल दी है। उन्होंने बॉलीवुड की उस सच्चाई से लोगों के बयां किया, जिसके बारे में शायद ही कोई बोलने की हिम्मत करता है। एक्टर ने बॉलीवुड में एक्टर्स को शोषित किए जाने और पे पैरिटी पर बड़ा खुलासा किया है। रजित कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में सपोर्टिंग या साइड एक्टर्स को कम पैसे या फिर बिना पेमेंट के काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। रजित कपूर ने इंडस्ट्री के स्ट्रक्चर्ड सिस्टम की कमी को संबोधित किया और इसे पे डिसपैरिटी का सबसे बड़ा कारण बताया। उन्होंने बताया कि कास्टिंग एजेंसियां, जो लगभग पांच साल से मौजूद हैं ने भी इसमें कोई खास फर्क नहीं डाला है। कास्टिंग एजेंसियों से पहले डायरेक्टर और असिस्टेंट डायरेक्टर्स पर एक्टर्स के चुनाव की जिम्मेदारी थी। ऐसे में अक्सर उन्हें अधर में छोड़ दिया जाता था, पेमेंट के किसी आश्वासन के बिना कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता था। रजित कपूर ने बताया कि एक्टर्स को लंबे समय तक अपनी पैमेंट का इंतजार करना पड़ता है। लेकिन उनके मुआवजे की वकालत करने वाला कोई नहीं, जिसके कारण शोषण से भरी व्यवस्था कायम ही रही। उन्होंने कहा, 'आज भी शोषण हो रहा है। भले ही आप 20,000 रुपये के लायक हों, वे कहेंगे, 'अगर आप ये करना चाहते हैं, तो 10,000 रुपये में करें। नहीं तो ऐसे बहुत सारे लोग हैं, जो एक अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' ऐसा आज भी होता है।'

ये पूछे जाने पर कि क्या कास्टिंग एजेंसियों के के आने से इंडस्ट्री में कोई सुधार हुआ है? तो जवाब में रजित कपूर ने कहा, 'प्रोफेशनलिज्म के दिखावे के बावजूद, स्थिति काफी हद तक जस की तस बनी हुई है।

'स्त्री 2' की सफलता के बाद राजकुमार राव ने कहा-

# पैसे और फेम के लिए बॉलीवुड में नहीं आया

राजकुमार राव इन दिनों श्रद्धा कपूर संग फिल्म 'स्त्री 2' की सफलता एंजॉय कर रहे हैं। उनकी इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स-ऑफिस पर कहर बरपा दिया है। फिल्म जमकर कमाई कर रही है। 'स्त्री 2' ने रिलीज के 10 दिन के अंदर ही बॉक्स-ऑफिस पर 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया और अबतक दुनियाभर में 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है।

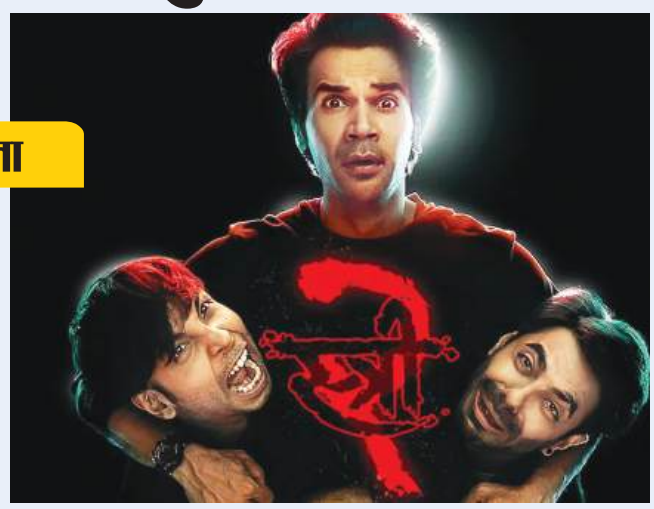

बॉलीवुड | मसाला

हाल ही में एक्टर ने बताया था कि फिल्मों में कदम रखते ही आखिर उन्होंने अपना नाम क्यों बदल लिया। राजकुमार राव ने अपने नाम से यादव हटाने के बारे में कहा था कि इंडस्ट्री में कई राजकुमार हैं और वह बस कंफ्यूजन से दूर रहना चाहते थे।

राजकुमार राव, राजकुमार हिरानी, राजकुमार संतोषी, राजकुमार गुप्ता जैसे कई राजकुमार हैं। ऐसे में कोई कंफ्यूजन न हो इसलिए उन्होंने अपना नाम राजकुमार राव रख लिया। वह कहते हैं कि इंडस्ट्री में नाम बदलने का ऐसा कोई रूल नहीं है।

उन्होंने बताया, 'मैंने कभी सरनेम का इस्तेमाल ही नहीं किया था। मेरे पासपोर्ट में भी सरनेम नहीं था। यादव को राव का टाइटल दिया जाता है। इसलिए मैंने राव नाम रखा ताकि मैं सबसे अलग रहूं'।

राजकुमार राव ने 'स्त्री 2' की सफलता के बारे में बात की। वह कहते हैं, 'हमें यकीन था कि 'स्त्री 2' को दर्शकों का प्यार मिलेगा क्योंकि ऑडियंस ने 'स्त्री' को काफी प्यार दिया था, लेकिन इतना प्यार मिलेगा इसकी उम्मीद नहीं थी। 'स्त्री' जैसी कंटेंट ड्रिवेन फिल्म को इतना प्यार मिलना बहुत मायने रखता है।

फिल्म का बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन उनके लिए क्या मायने रखता है इस बारे में पूछे जाने पर वह कहते हैं कि इन कलेक्शन का मतलब है कि इतने लोगों ने फिल्म देखी और इतने लोगों ने फिल्म को पसंद किया। राजकुमार राव ने कहा कि वह कभी भी इंडस्ट्री में सिर्फ नाम और पैसे कमाने के मकसद से नहीं आए थे। शुरुआती दौर में भले ही उनके सामने आर्थिक संकट था, लेकिन पैसा और फेम कभी भी उनकी प्रेरणा नहीं रहा है। राजकुमार का मानना है कि अच्छी फिल्मों की भूख के कारण ही वह इंडस्ट्री में आए थे और आज भी वह अच्छी फिल्मों में ही काम करना चाहते हैं। साथ ही दर्शकों से मिलने वाले प्यार के लिए वह बेहद शुक्रगुजार हैं।

# इमरजेंसी की रिलीज से पहले कंगना रनौत को मिली धमकी

कंगना रनौत को फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज से पहले जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए पुलिस से मदद मांगी, जिसमें कुछ लोग उनके खिलाफ बुरा-भला कहते नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस के फैंस उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वे सवाल कर रहे हैं कि क्या भारत की आयरन लेडी की कहानी बताना गलत है, जिसे भारत की सबसे मजबूत प्रधानमंत्री कहा जाता है? फिल्म 'इमरजेंसी' 6 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जो भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर बनी है, जिनके अंगरक्षकों ने ही उनकी हत्या कर दी थी। फिल्म में कंगना रनौत इंदिरा गांधी के रोल में हैं।

कंगना रनौत ने प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक शख्स 'इमरजेंसी' रिलीज न करने की धमकी दे रहा है। वह कहता नजर आ रहा है, 'अगर यह फिल्म रिलीज करते हो, तो सरदार आपको चप्पल मारेंगे। लाफा तो आपने खा लिया। मुझे भारतीय होने पर गर्व है। अगर मैं आपको अपने देश और महाराष्ट्र में कहीं भी देख लेता हूं, तो मैं कह रहा हूं। सिर्फ सिख ही नहीं, मराठी, मेरे सभी हिंदू, ईसाई और मुस्लिम भाई आपका चप्पलों से स्वागत करेंगे।' एक्ट्रेस ने वीडियो के साथ हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब पुलिस को टैग किया है।

वीडियो में दिख रहा एक अन्य शख्स कहता है, 'इतिहास बदल नहीं सकता। अगर फिल्म में सिख को आतंकवादी की तरह दिखाया, तो फिर याद रखना कि जिसकी फिल्म कर रही हो, उसका क्या सीन हुआ था। याद रखना कि सतवंत सिंह और बेअंत सिंह कौन थे। जो हमें उंगली करता है, वो उंगली ही चटका देते हैं हम। अगर हम सर कटवा सकते हैं, तो सर काट भी सकते हैं।'

अजब-गजब | इस गांव में देवी के सम्मान में जारी है अजीब प्रथा

# इस गाँव में जूता-चप्पल पहनने पर लगी है रोक, बच्चे स्कूल भी नंगे पैर ही जाते हैं

भारतीय घरों में ये बहुत आम बात है कि लोग बिना जूते-चप्पल के घर के अंदर रहते हैं। लोग अपने जूते-चप्पल घर के बाहर, या दरवाजे के पास बने सू रैक में रख देते हैं और घर के अंदर पैर में बिना कुछ पहने ही चलते हैं। पर आपको जानकर हैरानी होगी कि दक्षिण भारत में एक ऐसा गांव है, जहां लोग जूते-चप्पल कभी नहीं पहनते, यहां तक कि वो जब गांव में, अपने घरों के बाहर निकलते हैं, तब भी चप्पल नहीं पहनते। ऐसा लगता है जैसे जूते-चप्पल पर बैन लगा है। इसके पीछे बेहद रोचक वजह है।

2019 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार इस छोटे से गांव का नाम अंडमान है जो तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से करीब 450 किलोमीटर दूर है। इस रिपोर्ट के अनुसार उस वक्त गांव में करीब 130 परिवार रहा करते थे। अधिकतर लोग किसानी करते थे या फिर खेतों में मजदूरी किया करते थे।

रिपोर्ट के अनुसार इस गांव में बुजुर्ग या बीमार लोग ही चप्पल-जूता पहनकर चलते हैं,

बाकी कोई भी गांव के अंदर जूते-चप्पल नहीं पहनता है। हालांकि, गर्मी के मौसम में कुछ लोग तपती जमीन से बचाने के लिए चप्पल पहन लेते हैं। बच्चे स्कूल भी बिना जूते-चप्पल पहनकर जाते हैं। वहीं कुछ लोग अपने हाथों में जूते-चप्पल लेकर जाते नजर आ जाते हैं, जैसे वो उनका पर्स या फिर कोई बैग हो। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इसके पीछे कारण क्या है। गांव वालों का मानना है कि उनके गांव की रक्षा मुथ्यालम्मा नाम की एक देवी करती हैं। उनके सम्मान में लोग जूते-चप्पल नहीं पहनते। जिस तरह लोग मंदिर के अंदर जूते-चप्पल पहनकर नहीं जाते, वो इस गांव को भी मंदिर की तरह ही मानते हैं और यहां बिना पैर में कुछ पहने ही चलते हैं। ये प्रथा सालों से चली आ रही है, किसी ने उनसे ऐसा करने को जबरदस्ती नहीं कहा है। वो सिर्फ अपनी मान्यताओं का पालन कर रहे हैं।

जब गांव में कोई बाहर से मेहमान आता है, तो गांववाले उसे इस प्रथा के बारे में बताते हैं। अगर वो मानने को तैयार हो जाते हैं तो अच्छा है, अगर नहीं मानते तो उनसे जबरदस्ती नहीं की जाती है। हालांकि, काफी सालों पहले लोगों में ये मान्यता थी कि अगर वो इस नियम को नहीं मानेंगे तो गांव में एक रहस्यमयी बुखार फैल जाएगा जिससे उन सभी की मौत हो जाएगी। मार्च-अप्रैल में गांव वाले देवी की पूजा करते हैं और 3 दिनों तक एक त्योहार का आयोजन होता है।

# दुनिया का इकलौता होटल, दीवार हो या टॉयलेट, जिसके हर चीज पर लगा है सोना

दुनिया में बहुत सी ऐसी जगहें हैं, जिन्हें हम वहां मौजूद किसी खास चीज़ के लिए जानते हैं। कुछ जगहों को शानदार बीच की वजह से तो किसी को सुंदर इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से पहचाना जाता है। आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताएंगे, जो अपने सुनहरे होटल की वजह से चर्चा में रहती है। यहां एक आलीशान होटल खुला, जिसकी हर एक चीज़ सोने से कोटेड है।

आपने कई होटलों को अपनी अजीबोगरीब बनावट की वजह से मशहूर होते देखा होगा लेकिन एक ऐसा होटल वियतनाम की राजधानी हनोई में खुला है, जहां हर चीज़ गोल्डेन है। इस होटल के दरवाजे, खिड़कियां, फर्नीचर, नल, और टॉयलेट समेत हर चीज़ को बनाने में सोने का इस्तेमाल किया गया है। यहां जाकर आपको राजा-महाराजा वाली फीलिंग आएगी क्योंकि इस होटल में खाने के बर्तन भी सोने के बने हुए हैं। हम जिस अजूबे होटल की बात कर रहे हैं, वो वियतनाम की राजधानी हनोई में बना हुआ है। इसका नाम डोल्से हनोई गोल्डन लेक है। कुल 25 मंजिल वाले इस फाइव स्टार होटल में कुल 400 कमरे हैं। खास बात तो ये है कि अंदर ही नहीं होटल की बाहरी दीवारों पर भी 54,000 वर्ग फीट में गोल्ड प्लेटेड टाइल्स लगाई गई हैं। लॉबी से लेकर फर्नीचर और साज-सज्जा के समानों पर भी सोने की कारीगरी की गई है। और तो और कर्मचारियों का ड्रेस कोड भी रेड और गोल्डन रखा गया है। यहां मौजूद कमरों में फर्नीचर और साज-सज्जा के समानों पर गोल्ड की प्लेटिंग की गई है। बाथटब, सिंक, शॉवर से लेकर सभी एक्सेसरीज भी गोल्ड से बनी हुई हैं। होटल की छत पर बने इंफिनिटी पूल की बाहरी दीवार भी गोल्ड प्लेटेड ईंटों से बनी है। डोल्से हनोई गोल्डन लेक में रूम्स का शुरुआती किराया करीब 20 हजार रुपए हैं, जबकि डबल बेडरूम सुइट में एक रात रुकने की किराया करीब 75 हजार रुपए है इस होटल में कुल 6 तरह के कमरे और सुइट मौजूद हैं। वहीं प्रेसिडेंशियल सुइट में एक रात रुकने के लिए 4.85 लाख रुपए खर्च करने होंगे।

# हिमाचल में आपदा राहत पर सियासत

» भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर बोला हमला

» जयराम व सुक्खू में तू-तू मैं-मैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बीते साल आपदा और इस वर्ष बरसात को लेकर सियासत गरमाई हुई है। राहत राशि को लेकर भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार शुरू हो गया। नुकसान व राहत राशि के आवंटन को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर में नोकझोंक भी हुई।

नियम-130 के तहत जयराम ठाकुर ने सरकार पर आपदा राहत में बंदरबांट और प्रभावितों को राहत राशि न मिलने का आरोप लगाया। इस पर सुक्खू ने कहा कि बीते वर्ष आपदा से जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए, उन्हें राहत राशि दी गई है। लोगों ने अपने मकान बना लिए हैं। जिनको किस्त नहीं मिली है, वह एसडीएम के पास जाकर आवेदन करें। उन्हें अंतिम किस्त जारी कर दी जाएगी।

## प्रभावितों को मुआवजा दिया : सुक्खू

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते वर्ष की आपदा के प्रभावितों के लिए घोषित विशेष पैकेज के तहत राज्य और एनडीआरएफ राहत से 847 करोड़, वित्त विभाग के तहत 1875 करोड़, ग्रामीण विकास विभाग से 1085 करोड़ और मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत 150 करोड़ जारी हुए। प्रभावितों को मुआवजा दिया जा रहा है।

## राशि वितरण में बंदरबांट हुई : जयराम

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहत राशि वितरण में बंदरबांट हुई है। आपदा के दौरान सरकार ने जो वायदे बेघर लोगों के लिए किए, वह भी पूरे नहीं किए गए हैं। सरकार ने ध्वस्त हुए घरों को 7 लाख रुपये देने की बात की, लेकिन इस वर्ष प्रभावितों को डेढ़ लाख रुपये देने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने के वायदे से कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई। लेकिन भाजपा ने सत्ता में रहते हुए जो 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी थी, उसे भी इसने बंद कर दिया। कहा कि मंडी में 12 पुल क्षतिग्रस्त हुए, लेकिन कोई नया पुल नहीं बनाया।

## आपदा को लेकर ठोस नीति बनाने की जरूरत : अनुराधा

विधानसभा सदन में पहली बार जीतकर आईं लाहौल स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने कहा कि आपदा से निपटने के लिए ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है। नदियों का तटीकरण जरूरी है। भवनों को पुरानी शैली में बनाने की आवश्यकता है। पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ आपदा को बुला रही है। सीमेंट कारखाने लगने से जंगल कंक्रीट के बनते जा रहे हैं।

# सिर्फ राजनीति के तहत जेल में डाला : के. कविता

» जेल से बाहर आईं, बेटे और भाई से मिलकर हुईं भावुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में तिहाड़ जेल में बंद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता जेल से बाहर आईं। जेल से बाहर आने के बाद दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में अपने बेटे और भाई केटीआर के साथ मिठाइयां बांटीं। आज ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दी थी। जेल से बाहर आने के बाद के. कविता ने कहा, हम कानूनी और राजनीतिक रूप से लड़ेंगे। उन्होंने गैरकानूनी रूप से हमें जेल भेजकर बीआरएस और केसीआर की टीम को अटूट बना दिया है।

लगभग साढ़े पांच महीने बाद अपने बेटे, भाई और पति से मिलकर मैं भावुक हो गई हूं। इस स्थिति के लिए केवल राजनीति जिम्मेदार है। पूरा देश जानता है कि हमें सिर्फ राजनीति के कारण जेल में डाला गया। हम लड़ेंगे और खुद को बेगुनाह साबित करेंगे। इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर जेल अपवाद, जमानत नियम की अवधारणा को पुष्ट करने का काम किया।

# सौतेली बेटी और अपना भतीजा ही निकले युवक के कातिल

» पुलिस का खुलासा- प्रेम प्रसंग में बाधक बनने पर कर दी हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले के थाना अखंडनगर में ग्राम रामपुर जरिया के युवक कृष्ण कुमार सिंह की 24 -25 अगस्त के रात में धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी थी। युवक का शव अगले दिन चरी के खेत में मिला था। घटना के पुलिस हर एंगल से जांच और घटना के खुलासे में लग गयी। पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और घटना के अनावरण के लिए निर्देश दिए।

क्षेत्राधिकारी कादीपुर विनय गौतम शाम से ही उसी गाँव में डेरा जमाये रहे और सर्किल के थानों की पुलिस फोर्स लगा दी। जिसका परिणाम रहा घटना के 48 घंटे के अंदर खुलासा हो गया। घटना के कारण की जानकारी होने पर लोग दंग रह गए। मृतक की सौतेली बेटी और भतीजे ने ही घटना को अंजाम दिया। अभियुक्त सूरज मृतक की सौतेली पुत्री आंचल से प्रेम करता था जिस पर मृतक द्वारा आपत्ति करते हुए आंचल

को रोंका गया तथा डांटा फटकारा गया साथ ही अभियुक्त सूरज को भी डांटा गया जिससे क्षुब्ध होकर दोनो ने षड़यंत्र से पूरे घर को दाल में अलप्राक्स मिलाकर खिला दिया जिससे सभी लोग नींद में सो गये और उसके बाद सूरज ने कृष्ण कुमार सिंह के गले पर तीन चार बार कुल्हाडी से वार किया तथा अभियुक्ता आंचल ने मृतक कृष्ण कुमार सिंह का पैर पकड़ लिया जिससे आवाज न हो दोनो ने हत्या करके शव के घर के बगल मे स्थित चरी के खेत मे शव को छिपा दिया मोबाइल को तोड़कर छिपा दिया तथा बिस्तर आदि को पेट्रोल डालकर जला दिये तथा कुल्हाडी व बेड पर लगे खून को पानी से साफ करके व बेड के नीचे गिरे खून को मिट्टी खोदकर साफ कर दिया और कुल्हाडी को पुन: उसी अलमारी पर रख दिया ।

# डॉक्टरों की कमी पर आप के निशाने पर आए एलजी

» स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उठाया मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में चिकित्सकों की कमी पर आप सरकार ने उपराज्यपाल पर निशाना साधा है। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कई अस्पतालों में डॉक्टरों और विशेषज्ञों की लगभग 30 प्रतिशत कमी है और उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद इन महत्वपूर्ण रिक्तियों को भरने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया है। भारद्वाज ने कहा कि इन पदों पर नियुक्ति में देरी के लिए उपराज्यपाल कार्यालय द्वारा मुख्यमंत्री की अनुपलब्धता और राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) की बैठक न होने जैसे बहाने बताए जा रहे हैं।

उन्होंने डेंगू के प्रसार से निपटने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर भी चर्चा की। मंत्री ने कहा, ''हमने लोगों को डेंगू की रोकथाम के बारे में जानकारी देने के लिए सभी मेट्रो स्टेशन, बस अड्डे और अन्य सार्वजनिक परिवहन केंद्रों पर जागरूकता घोषणाएं करने के लिए कहा है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि शहर के सभी सरकारी अस्पताल डेंगू के मामलों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हों। भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य सचिव को कई कदम उठाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन वह इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं कि उन कदमों को लागू किया गया है। मंत्री ने कहा, ''मैंने स्वास्थ्य सचिव को हर दिन एक सरकारी अस्पताल का दौरा करने का निर्देश दिया है, ताकि यह जांचा जा सके कि डेंगू से संबंधित सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं या नहीं।

## भारद्वाज विभागों को संभालने में बुरी तरह विफल : एलजी

मंत्री पर पलटवार करते हुए उपराज्यपाल सचिवालय ने आरोप लगाया कि भारद्वाज अपने प्रभार वाले विभागों को संभालने में ''बुरी तरह विफल'' रहे हैं। इसने कहा, ''ऐसा लगता है कि अब उन्हें बिना किसी आधार के प्रतिदिन उपराज्यपाल को अपशब्द कहकर अपना मंत्री पद बचाए रखने का नया मौका मिल गया है।

## हर बड़े संकट के पीछे एलजी का हाथ : सौरभ

भारद्वाज ने आरोप लगाया कि जब भी दिल्ली में कोई बड़ा संकट होता है, तो दस्तावेजों से पता चलता है कि इसके पीछे उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना का हाथ होता है। आशा किरण आश्रय गृह मामले पर प्रकाश डालते हुए, जहां जुलाई में 13 बंदियों की मौत हो गई थी, मंत्री ने कहा कि जांच से पता चला है कि डॉक्टरों और चिकित्साकर्मियों की कमी थी। भारद्वाज ने कहा, ''नियुक्तियों की जिम्मेदारी उपराज्यपाल के पास है। मंत्री बनने के बाद से, मैंने 30 प्रतिशत रिक्तियों के बारे में उपराज्यपाल को दर्जनों पत्र लिखे हैं।

# आईसीसी के चेयरमैन बने जय शाह

» दिसंबर में संभालेंगे कार्यभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह आईसीसी के चेयरमैन बना गए हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सबसे युवा चेयरमैन बन गए हैं। 35 वर्षीय बीसीसीआई सचिव को निर्विरोध आईसीसी का अगला चेयरमैन चुना गया है। जय शाह 1 दिसंबर 2024 से अपना कार्यभार संभालेंगे।

आपको बता दें कि जय शाह एकलौते शख्स नहीं हैं जो भारत की तरफ से इस अहम पद पर पहुंचे हैं। उनसे पहले भी देश के कई दिग्गज इस पद की शोभा बढ़ा चुके हैं। बीसीसीआई सचिव के इस खास उपलब्धि से देश के मौजूदा एवं पूर्व क्रिकेटर भी खुश हैं। कई खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके चेयरमैन बनने की शुभकामनाएं दी हैं, । भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से जय शाह को चेयरमैन बनने की बधाई दी है। हार्दिक पंड्या ने कहा जय शाह भाई को आईसीसी का सबसे युवा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई। मैं यह देखने के लिए काफी उत्सुक हूं कि क्रिकेट को आप और अधिक ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे।आपकी दूरदृष्टि आईसीसी की मदद करेगी. जैसा कि आपकी देखरेख में बीसीसीआई का हुआ है।

## रोहन जेटली बीसीसीआई सचिव की दौड़ में

सूत्रों के अनुसार दिवंगत अरुण जेटली के बेटे रोहन पिछले 4 वर्षों से डीडीसीए के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं और हाल ही में उन्हें दिल्ली एसोसिएशन द्वारा सर्वसम्मति से दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया था। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए रोहन जेटली सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट के मामलों पर ध्यान केंद्रित करने वाले वकील बन गए। रोहन ने 2020 में डीडीसीए अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने पर क्रि केट प्रशासन को संभाला। इससे पहले, उनके दिवंगत पिता, जिनके नाम पर दिल्ली क्रिकेट स्टेडियम का नाम रखा गया है, 14 साल तक डीडीसीए के अध्यक्ष रहे। इस पद के लिए उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी संभवतः कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वर्तमान बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, महाराष्ट्र भाजपा के दिग्गज और बीसीसीआई कोषाध्यक्ष आशीष शेलार और आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल हैं।

# फिर पुराने हथकंडे आजमा रही है बीजेपी : सोरेन

## » बोले- सत्तारूढ़ दलों के विधायकों को तोड़ने की हो रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुमका। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वह फिर से अपने पुराने तरीके अपनाकर सत्तारूढ़ दलों के विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। सोरेन की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब झामुमो के विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री ने दिल्ली में एलान किया है कि वह भाजपा में शामिल होंगे।

हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने फिर से सरकार तोड़ो अभियान और विधायक तोड़ो अभियान शुरू कर दिया है, जैसा कि उसने लोकसभा चुनावों के दौरान भी किया था। दुमका जिले में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें (भाजपा) झारखंड के आगामी विधानसभा चुनावों में लोगों से करारा जवाब मिलना तय है, जैसा कि लोकसभा चुनावों में मिला था। इससे पहले दोपहर में चंपई सोरेन ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि वह अपने बेटे के साथ 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि रक्षा, रेलवे और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में भर्तियां बंद कर दी गई हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री सोरेन ने मंगलवार को %झारखंड मुख्यमंत्री मैयां सम्मान योजन के तहत महिलाओं के खातों में पहली किस्त के रूप में एक हजार रुपये ट्रांसफर किए। छह जिलों दुमका, साहिबगंज, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और देवघर के कुल 7.32 लाख लाभार्थियों के खातों में 73 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए।

### भाजपा सरकार से देश को क्या मिला?

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके नेता धर्म और समुदाय के नाम पर बांटने की राजनीति में शामिल है। भाजपा के मिला क्या (क्या मिला?) अभियान की आलोचना करते हुए सोरेन ने कहा कि भाजपा को उनकी सरकार द्वारा गरीबों और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाओं की संख्या हजम नहीं हुई। झारखंड भाजपा ने रविवार को अभियान शुरू किया था। हेमंत सोरेन ने कहा, विपक्ष हमसे नौकरी के बारे में सवाल करता है। हमने 30 हजार से ज्यादा नियुक्तियां दी हैं। जबकि 35 हजार से 40 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया में है। लेकिन, पिछले बीस वर्षों में भाजपा ने कोई नौकरी नहीं दी।

### जनता के कहने पर नहीं लिया संन्यास : चंपई

एक्स पर एक पोस्ट में पूर्व सीएम चंपई ने कहा कि उनके पास पार्टी में ऐसा कोई मंच नहीं बचा था, जहां वे अपनी पीड़ा खुलकर व्यक्त कर पाते। अपने पोस्ट में चंपई ने भाजपा को आदिवासी हितों के लिए काम करने वाली इकलौती पार्टी भी करार दिया। चंपई सोरेन ने कहा, पिछले हफ्ते (18 अगस्त) एक पत्र द्वारा झारखंड समेत पूरे देश की जनता के सामने अपनी बात रखी थी। उसके बाद, मैं लगातार झारखंड की जनता से मिल कर, उनकी राय जानने का प्रयास करता रहा। कोल्हान क्षेत्र की जनता हर कदम पर मेरे साथ खड़ी रही, और उन्होंने ही संन्यास लेने का विकल्प नकार दिया।आज बाबा तिलका मांझी और सिदो-कान्हू की पावन भूमि संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ बहुत बड़ी समस्या बन चुका है। इस से दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है कि जिन वीरों ने जल, जंगल व जमीन की लड़ाई में कभी विदेशी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की, आज उनके वंशजों की जमीनों पर ये घुसपैठिए कब्जा कर रहे हैं। इनकी वजह से फूलो-झानो जैसी वीरांगनाओं को अपना आदर्श मानने वाली हमारी माताओं, बहनों व बेटियों की अस्मत खतरे में है।

फोटो :4 पीएम

**धरना** एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स उत्तर प्रदेश ने नियमितीकरण, समान वेतन, ईएल की व्यवस्था व स्वेच्छिक स्थानांतरण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

# जम्मू-कश्मीर में चुनाव को लेकर भारी उत्साह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले चरण में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, अनंतनाग व कुलगाम तथा चिनाब वैली के किश्तवाड़, डोडा व रामबन जिले की 24 विधानसभा सीटों पर 280 नामांकन हुए। दक्षिण कश्मीर में जमात से जुड़े कई सदस्यों ने भी लोकतंत्र में आस्था जताते हुए पर्चा भरा। इसके साथ ही 2016 की हिंसा में पत्थरबाजी के लिए कुख्यात अलगाववादी सर्जन बरकती ने भी चुनाव में भागीदारी की। उनकी बेटी सुगरा बरकती ने उनकी ओर से पर्चा भरा।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती, आतंकियों की गोली का शिकार बने किश्तवाड़ के अनिल परिहार के परिवार की शगुन परिहार, पूर्व मंत्री सुनील शर्मा व शक्तिराज परिहार, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष विकार रसूल वानी व जीए मीर, नेकां के पूर्व सांसद हसनैन मसूदी, सीपीआई एम नेता एम वाई तारिगामी, पूर्व विधायक जीएम सरूरी ने पर्चा भरा। शनिवार, रविवार और सोमवार को नामांकन न होने से मंगलवार को आखिरी दिन होने से नामांकन करने वालों की भारी भीड़ रही। सुरक्षा की दृष्टि से सभी सीटों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। दक्षिण कश्मीर में उमर व फारूक नेकां प्रत्याशियों के पर्चा भरने के दौरान मौजूद रहे तो महबूबा मुफ्ती पीडीपी प्रत्याशी के साथ रहीं। चिनाब वैली में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने डोडा व प्रदेश प्रभारी तरुण चुग ने रामबन में मौजूद रहकर प्रत्याशियों के नामांकन के दौरान हौसला बढ़ाया। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के पूर्व अध्यक्ष तलत मजीद अलाई ने पुलवामा व पूर्व अध्यक्ष नजीर अहमद भट ने देवसर सीट से पर्चा दाखिल किया। जमात के एक अन्य पूर्व नेता सयार अहमद रेशी ने भी कुलगाम विधानसभा क्षेत्र से नामांकन किया। नामांकन के लिए जाने से पहले बरकती की बेटी सुगरा ने जेल से बारामुला संसदीय सीट पर जीत दर्ज करने वाले इंजीनियर रशीद के बेटों की तरह भावुक अपील की।

### 280 उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

### जमात इस्लामी नेताओं का चुनाव लड़ना समय के अनुकूल : उमर अब्दुल्ला

नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रतिबंधित जमात इस्लामी के नेताओं का जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनावों में भाग लेने का फैसला समय के अनुकूल है। अब्दुल्ला ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में कहा, 'हमें बताया गया था कि चुनाव हराम (निषिद्ध) है, लेकिन अब चुनाव हलाल (मान्य) हो गए हैं। देर आए दुरुस्त आए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि लोकतंत्र ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा, '35 वर्षों तक जमात इस्लामी ने एक खास राजनीतिक विचारधारा का पालन किया, जो अब बदल गई है। यह अच्छी बात है।' उन्होंने कहा, 'हम चाहते थे कि जमात पर से प्रतिबंध हटाया जाए और वे अपने चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिर भी अच्छा है कि वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।' एक सवाल पर अब्दुल्ला ने कहा कि यह मतदाताओं को तय करना है कि अगर जमात पीपुल्स कॉन्फ्रेंस को समर्थन देती है तो वह किस पार्टी का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के भाजपा के साथ संबंध सार्वजनिक हैं। यदि जमात पीपुल्स कॉन्फ्रेंस का समर्थन करती है, तो मतदाता को पता चल जाएगा कि वे किस पक्ष का समर्थन कर रहे हैं।

# अरुणाचल प्रदेश में खाई में गिरा ट्रक, तीन सैन्यकर्मियों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले में एक ट्रक के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार तीन सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब छह बजे 'ट्रांस अरुणाचल' राजमार्ग पर तापी गांव के पास हुई। सैन्य सूत्रों के अनुसार, शहीदों की पहचान हवलदार नखत सिंह, नायक मुकेश कुमार और 'ग्रेनेडियर' आशीष कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सेना का यह दुर्घटनाग्रस्त ट्रक ऊपरी सुबनसिरी के जिला मुख्यालय शहर दापोरिजो से लेपाराडा जिले के बसर की ओर जा रहे सैन्य काफिले का हिस्सा था। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने घायलों और शवों को निकालने में मदद की। सेना की पूर्वी कमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लेफ्टिनेंट जनरल आर सी तिवारी और सभी सैन्य अधिकारी बहादुर हवलदार नखत सिंह, नायक मुकेश कुमार और ग्रेनेडियर आशीष के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जिन्होंने अरुणाचल प्रदेश में अपना कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

# उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में बुधवार को भी अच्छी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। मंगलवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में अच्छी बारिश हुई। बुधवार को प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, संतरविदासनगर, सुल्तानपुर व आसपास के इलाकों में भारी बारिश की संभावना है।

मंगलवार को गाजीपुर में 46.2 मिमी, प्रयागराज में 36.5 मिमी, उरई में 27 मिमी, चुर्क में 16.8 मिमी, फुरसतगंज में 12.6 मिमी, सुल्तानपुर में 10 मिमी, वाराणसी में 8.6 मिमी, हमीरपुर में 5 मिमी और बलिया में 3.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, प्रदेश में अधिकतम तापमान की बात करें तो नजीबाबाद में 35.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। राजधानी में मंगलवार को दिन भर आसमान में बादलों का डेरा रहा और शाम को अलग-अलग जगहों पर गरज व चमक के साथ बारिश हुई। इससे उमस से राहत मिली। तापमान में थोड़ी गिरावट से मौसम खुशनुमा हो गया। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार को भी लखनऊ में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। मंगलवार को शाम 5:30 बजे तक लखनऊ में 0.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मंगलवार को 0.7 डिग्री की मामूली गिरावट के साथ दिन का तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, रात का पारा 0.2 डिग्री की उछाल के साथ 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

### गुजरात में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से की बात

गुजरात में भारी बारिश के कहर से 16 लोगों की मौत हो गई। राज्य में पूरा जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। लगभग बीस हजार से ज्यादा परिवार बेघर हो गए हैं। इस बीच गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बातचीत की। पटेल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्र सरकार ने सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है। गुजरात के मुख्यमंत्री ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में भारी बारिश की स्थिति को लेकर मुझसे फोन पर बातचीत की और राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने नागरिकों के जीवन और पशुधन की सुरक्षा पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।